

Iron and Steel Controller of State by Joint Plant Committee and how many of them have been rejected; and

(d) the reasons for their rejection and the number of those which are still pending for the last several months? '1

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI P. C. SETHI) : (a) Joint Plant Committee has made statewide allocations under different heads such as small-scale industry, agricultural and State pooled quotas. Indents supported by the recommendations of the appropriate authority of the State Government are planned by the Joint Plant Committee.

(b) The Iron and Steel Controller is not concerned with such indents. However, he happens to be the Chairman of the Joint Plant Committee. He is also the Secretary of the Steel Priority Committee, which allocates priority for supplies of scarce categories.

(c) and (d). All indents which conformed to the procedure indicated above were planned by the Joint Plant Committee. No indent for scarce categories is pending with the Joint Plant Committee.

अकबरपुर टांडा ब्रांच लाइन को बन्द किया जाना

5564. डा० सूर्य प्रकाश पुरी :  
श्री रामावतार शर्मा :  
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :  
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :  
श्री राम जी राम :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर रेलवे में अकबरपुर-टांडा ब्रांच लाइन को बन्द करने का विचार है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या टांडा को गोसाईगंज स्टेशन से जोड़ कर इसे मुख्य लाइन पर लाने के लिये प्राक्कलन तैयार कर लिया गया था; और

(ग) लाभकारी लाइन समझी जाने के लिये किसी लाइन को कितने प्रतिशत लाभ

दर्शाना चाहिये और गत तीन वर्षों में, वर्षवार इस लाइन को कितने प्रतिशत लाभ हुआ है?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाषा) :

(क) इस शाखा लाइन को बन्द करने का प्रश्न विचाराधीन है, क्योंकि यह घाटे में चल रही है।

(ख) जी नहीं।

(ग) 'लाभप्रद' कहलाने के लिये एक लाइन को 1-4-64 के बाद लगायी गई पूंजी पर 6.75% और इस तारीख से पहले लगाई गई पूंजी पर 5% प्रतिफल देना चाहिये। पिछले तीन वर्षों के दौरान अकबरपुर-टांडा शाखा लाइन से कोई लाभ नहीं हुआ, इसके विपरीत यह लाइन प्रारम्भ से ही घाटे में चल रही है।

टंकारा-भोरवी छोटी रेलवे लाइन का हटाया जाना

5565. श्रीरामावतार शर्मा :  
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम रेलवे की टंकारा-भोरवी छोटी रेलवे लाइन को उखाड़ने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस क्षेत्र में टंकारा नामक एक तीर्थ स्थान है तथा उस स्थान की यात्रा पुनः कठिन हो जायेगी;

(ग) क्या यह भी सच है कि हाल ही में इस लाइन को भोरवी से राजकोट तक बढ़ाने तथा इसे मीटर गेज लाइन में परिवर्तन करने का सुझाव दिया गया था; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में कब तक अन्तिम निर्णय किये जाने की सम्भावना है?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाषा) :

(क) टंकारा-भोरवी छोटी लाइन के संचालन